[This question paper contains 3 printed pages]

| Roll No. | |
|---|---|

**ASME-24BC-HLIT-I**

# हिन्दी साहित्य (पेपर-I)

# HINDI LITERATURE (PAPER-I)

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 100

## प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

1. इस प्रश्नपत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
2. प्रश्न संख्या—1 का उत्तर अनिवार्य है। अन्य सात प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों का विभाजन प्रत्येक प्रश्न/प्रश्न के भाग के सामने इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखिए। प्रश्न का उत्तर पूछे गए क्रम के अनुसार ही दीजिए।
4. प्रश्न-संख्या—1 के उत्तर के लिए शब्द-संख्या निर्धारित है, इसका अनुपालन किया जाना चाहिए।
5. प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
6. उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : 4x5 = 20

(क) देवनागरी लिपि में सुधार हेतु नरेंद्र देव समिति के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'निपात' के स्थान-परिवर्तन से वाक्य के अर्थ पर पड़नेवाले प्रभावों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ग) मीरां को संप्रदाय-निरपेक्ष कवि कहना क्यों उचित है?

(घ) 'पृथ्वीराज रासो' में चंद वरदाई का व्यक्तित्व'—विषय पर टिप्पणी कीजिए।

2. (क) "भक्तिकाव्य को 'लोक-जागरण' की कविता कहना सार्थक होगा"—इस कथन के पक्ष में युक्तियुक्त विचार कीजिए। 10

(ख) मुक्तिबोध की कविताओं में व्यक्ति और समाज के संबंध की समस्या किस प्रकार व्यक्त हुई है? 10

3. (क) "छायावादी कविता अपने से पूर्व की कविता से विद्रोह नहीं करती, उसका विकास करती है"—इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10

(ख) "उदय प्रकाश की कहानियाँ समकालीन भारत में व्याप्त भय की अभिव्यक्ति करती हैं"—टिप्पणी कीजिए। 10

4. (क) हिंदी उपन्यास में यथार्थवाद के विकास के संदर्भ में प्रेमचंद के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालिए। 10

(ख) खड़ी बोली के संदर्भ में शिवप्रसाद 'सितारेहिंद' और भारतेंदु हरिश्चंद्र के बीच असहमति के बिंदुओं पर टिप्पणी कीजिए। 10

5. (क) नाटक और रंगमंच को निकट लाने में मोहन राकेश के योगदान की चर्चा कीजिए 10

(ख) भीष्म साहनी के उपन्यासों में स्त्री-समस्या के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए। 10

6 (क) प्रेमचंद-पूर्व सामाजिक उपन्यासों की संभावनाओं एवं सीमाओं को रेखांकित कीजिए। 10

(ख) प्रेमचंद की दलित-विषयक कहानियों का विवेचन कीजिए। 10

7 (क) रीतिकालीन काव्य के कलात्मक उत्कर्ष पर युगीन प्रभाव का उद्घाटन कीजिए। 10

(ख) "जैनेंद्र के उपन्यास-साहित्य में स्त्री का 'मूक विद्रोह' व्यक्त हुआ है"—इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए। 10

8 (क) व्यवस्था के प्रति समकालीन कविता का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए। 10

(ख) द्विवेदी युग के संदर्भ में खड़ीबोली के अंतःसंघर्ष और विकास का परिचय दीजिए। 10

******